

विपक्ष का सेल्फ गोल

यह हकोई पहला मौका नहीं है जब विपक्ष की तरफ से प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी पर अमर्यादित कर्मेंट किया है।

इससे पहले गुरुवार तुम्हारों के दैरान मौत का सोटपार, दस शीश वाला रावण, चाय वाला, चौकीदार चाहे हैं जैसे कर्मेंट किये गये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हर अपने ऊपर की गयी निजी टिप्पणियों को चुनाव में बड़ा मुद्रा बनाकर विपक्ष को परखनी देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

इसके बावजूद जिस तरह विपक्ष प्रधानमंत्री की मुद्रों के आधार पर आलोचना से आगे बढ़ते हुए निजी और अमर्यादित कर्मेंट पर उत्तर आता है, उससे तो यहीं लगता है कि विपक्षी दलों ने इनी हार के बावजूद अभी कोई सबक नहीं सीखा है। अगर कोई सबक सीखा होता, तो लालू प्रसाद यादव जैसे अनुभवी नेता प्रधानमंत्री मोदी पर 'मोदी का कोई परिवार नहीं है' या 'मोदी हिन्दू नहीं है', जैसे अमर्यादित कर्मेंट नहीं करते लालू प्रसाद यादव ने मोदी पर यह टिप्पणी की गांधी भावन में आयोजित जन विश्वासी मोदी में की। जिस मंच से बालते हुए लालू यादव ने मोदी पर अमर्यादित कर्मेंट पर उत्तर आता है।

गांधी भावन में आयोजित जन विश्वासी मोदी पर यह टिप्पणी की उस मंच पर कंप्रेस अध्यक्ष राहुल खरगो, राहुल गांधी, सोनी आईएम नेता सीताराम चैत्री, गांधी आईएम नेता नीता डॉ राजा जैसे बड़े नेता मौजूद थे।

इसके बावजूद जिसी ने इस पर खंड व्यक्त करने या कम से कम अमर्यादित शब्दों को वापस लेने की

परिवरावाद की सियासत में मोदी की छिप ऐसे नेता की है।

जो देश के लिए जीता है, मोदी की यहीं छिप उनके विरोधियों को परेशान करती है।

जस्तर भी नहीं महसूस की। कुल मिलाकर विपक्ष ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को एक मुद्रा दें दिया और अगले ही दिन भाजपा और उसके अनेक सहयोगियों ने 'मोदी का परिवार' कैपेन शूरू कर दिया। चुनाव आयोग में और इस बार नीता ओंकर के सख्त हिदायत दे चाहा है कि किसी की जाति, धर्म, भाषा पर अनावश्यक कर्मेंट न करें और इसके आधार पर वोट मंडे। इस तरह कछ नेताओं को भी चुनाव आयोग ने सलाह और चतावनी पूर्व में दी है, कछ नेताओं को चुनाव प्रचार से रोका भी है। इसके बावजूद नता है कि मानने ही नहीं। लालू प्रसाद यादव की पहचान एक 'सियासी मस्तखर' की रही है। उनके भाषणों को सुनकर लोग हसते हैं, मनोरंजन करते हैं, लेकिन उनको गंभीर सालों से लेने वाले बिहार के बाहर बहुत कम लोग हैं। हाँ उहोंने एक विद्यार्थी समीकरण बनाया है जिसको उनके ही पुत्र तेरस्ती यादव 'माई-बाप' पार्टी कहते हैं ऐसे माई-बाप समीकरण से नो देश का भला होना चाहे और नहीं किसी राज्य का। इस लालू प्रसाद यादव ने अपने शासन के दैरान बिहार का ब्याहाल किया था यह परादेश जानता है। इसलिए नेताओं को चुनाव के दैरान मुद्रों पर बात करनी चाहिए। नीति टिप्पणियों व अमर्यादित शब्दों से बचना चाहिए ताकि देश के सदृश्यों को जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया चुनाव गौरवरूप तरीके पूरी समझ हो। वैसे लालू प्रसाद द्वारा की गई टिप्पणी ही तात्परा को दर्शाती है। नरेंद्र मोदी परिवरावादी की ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं। परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं। परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं। परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।

परिवरावादी की राजनीति को ही आधार बनाने के द्वारा विरोधी हैं।</p

भारत अब आत्मविश्वासी व आत्मनिर्भर

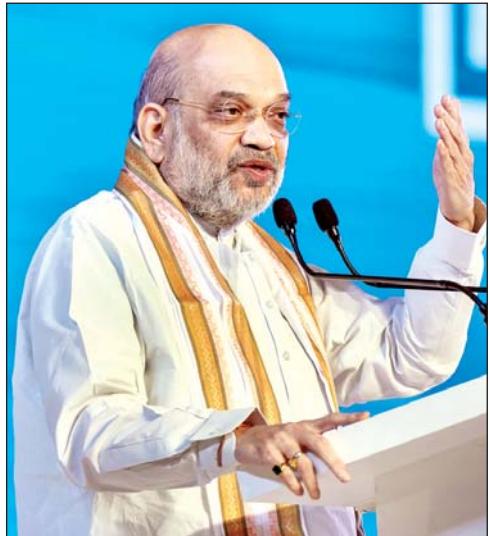
इंडिया ग्लोबल फोरम के वार्षिक निवेश शिखर सम्मेलन को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया संबोधित

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को हाउस इन की संप्रकारण ने मुद्रासंकीर्ति को पांच प्रतिशत से नीचे रखा है जबकि कांग्रेस की अगुवाई वाली पिछली सरकार के समय यह दर्हाई अंक में पहुंच गई थी।

शाह ने यहाँ इंडिया ग्लोबल फोरम के वार्षिक निवेश शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत नाजुक थी, मुद्रासंकीर्ति उंचे स्तर पर थी और राजकोषीय वाटा भी नियंत्रण से बाहर था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (सप्रग) सरकार के समय औसत मुद्रासंकीर्ति 8.2 प्रतिशत थी और उनके शासनकाल के अंतिम तीन साल में यह दर्हाई अंक तक पहुंच गई थी।

उन्होंने कहा, कांग्रेस की अगुवाई वाली संप्रग सरकार के समय मुद्रासंकीर्ति दर्हाई में नीचे लीकिए रहाएँ सरकार ने इसे पांच प्रतिशत से नीचे रखा दिया है। संप्रग सरकार के समय 12 लाख करोड़ रुपये के विभिन्न घोटालों से देश का विश्वास हिल गया था और साठांठ वाल (कॉर्ने) पूंजीवाद अपने चरम परथा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हुई प्रगति की तुलना संप्रग सरकार के शासनकाल से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, जबकि आप यह नहीं जानते कि



गढ़ा कितना गहरा है, आप प्रगति को नहीं समझ सकते हैं। उन्होंने कहा, संप्रग सरकार के 10 साल देश की वृद्धि गाथा से लाभगम

नहारद थे। आप उन वर्षों को खोज ही नहीं सकते हैं। वृद्धि के नाम पर उन 10 वर्षों में कुछ भी नहीं हुआ था। ऐसे हालत में मादों जी ने देश की बागड़ेर सभाली थी। शाह ने कहा, भारत अब एक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर देश है, जिसने खुद को निर्विकार सरकार से एक अग्रणी से प्रगतिशील रूप में और नाजुक अर्थव्यवस्था से प्राप्ति अर्थव्यवस्था में बदल दिया है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज भारत एक नीति-संचालित देश के रूप में उभरा है। उन्होंने उमीद जताई कि इस साल के अंत तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में कहा, हम अपनी सरकार के पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन और अगले 25 वर्षों के रोडमैप के साथ चुनाव में उत्तर रखेंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूरदर्शी प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 में आजदी के सौ साल पूरा होने तक भारत पूरी तरह से विकसित, आत्मनिर्भर और दुनिया की शीर्षी संबंधों में एक होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक भारत का अपना अंतर्रिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी और 2040 तक एक व्यक्ति को चंद्रमा पर जेजने का इशारा भी है।

नवी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम विरल ने बुधवार को युवा ओं का आवाहन किया कि वे प्रौद्योगिकों, नवाचार, कृत्रिम मेधा (एआई), स्टार्ट-अप और इससे जुड़े क्षेत्रों में सरकार से एक अग्रणी से प्रगतिशील रूप में और नाजुक अर्थव्यवस्था से प्राप्ति अर्थव्यवस्था में बदल दिया।

उन्होंने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 के समाप्ति समारोह में वह भी कहा कि युवा ओं की ऊर्जा, उत्साह और दृढ़ संकल्प ही वैश्विक समृद्धि, नवाचार और सामाजिक सद्व्यवहार का आधार है।

इस समाप्ति में खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे। विरल ने कार्यक्रम के वक्तव्यों का उल्लेख करते हुए रूपरेखा देश के लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक भारत का अपना अंतर्रिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी और 2040 तक एक व्यक्ति को चंद्रमा पर जेजने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी और 2040 तक एक व्यक्ति को चंद्रमा पर जेजने का लक्ष्य रखा गया है।

मंच पर समृद्धि, नवाचार और सामाजिक सद्व्यवहार का प्रतीक बन सकता है। उन्होंने कहा, तकनीकी प्राप्ति और नवाचार के वर्तमान युग में, युवा ओं के लिए वह आवश्यक है कि वे आगे बढ़कर देश के प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृत्रिम मेधा, स्टार्ट-अप और इससे जुड़े क्षेत्रों में भारत को एक अग्रणी देखा जाए।

द. कोरिया के साथ प्रौद्योगिकियों में विस्तार चाहता है भारत

एजेंसी

सियोल। विदेश मंत्री एस. जसवंतराव ने बुधवार को कहा कि भारत, दक्षिण कोरिया के साथ अपने विद्युतीय संबंधों को और अधिक



सामाजिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उभयों के साथ नीचे रखा गया है। उन्होंने बताया कि द्विव्यवस्था में एक बाल्यांश के लिए स्थानीय लोगों ने बचाव किया है। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़ा विद्युतीय संबंध बनाया जा रहा है। जायंग जिला पुलिस कार्यालय के लिए कामांडूल ट्रॉफी दिया गया है। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़ा विद्युतीय संबंध बनाया जा रहा है।

समसामयिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उभयों के साथ नीचे रखा गया है। उन्होंने बताया कि द्विव्यवस्था में एक बाल्यांश के लिए स्थानीय लोगों ने बचाव किया है। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़ा विद्युतीय संबंध बनाया जा रहा है। जायंग जिला पुलिस कार्यालय के लिए कामांडूल ट्रॉफी दिया गया है। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़ा विद्युतीय संबंध बनाया जा रहा है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र का मसौदा खरगे को सौंपा

एजेंसी

नवी दिल्ली। कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति ने घोषणा पत्र का मसौदा बुधवार को पार्टी अर्थव्यवस्था में द्विव्यवस्था खरों को सौंप दिया। समिति के प्रमुख संबंधों में विस्तार, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, व्यापार में सहयोग, दोनों



विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने उमीद तक, 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए न्याय पर आधारित हमारे घोषणापत्र का मसौदा देवर है और आज कांग्रेस हमेशा भारत के कल्याण और

मुझे प्रस्तुत किया गया। कांग्रेस कार्यसमिति के समस्त इसे अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। सुनीता कहना है कि कांग्रेस का घोषणा पत्र न्याय के अंतर्गत होने वाला है।

बाइडन और ट्रंप ने सुपर द्यूजे प्राइमरी चुनाव में मारी बाजी

एजेंसी

विश्वासिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप प्रतिपादित पद की दो दोस्तों के लिए देशभर के 15 राज्यों में हुए अपनी-अपनी पार्टी के प्राइमरी चुनावों में जीत हासिल करने में कामयाब रहे, जिससे इस साल नवंवर में दोनों नेताओं के बीच एक बारफिर से अमना-समना होने का मार्ग प्रशंसन देता है।

साथ ही भारतीय-अमेरिकी निकियों के बीच एक बारफिर से व्यापार और सांबंध चर्चा के बीच एक बारफिर से अमना-समना होने का मार्ग प्रशंसन देता है।

पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से ट्रंप को प्रबल दोस्तों को छोड़ने का बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

मालदीव के बाबु झूँझू इसके विवरण की ओर से बावजूद गहरा है।

माल